



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २७१] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई २, १९७९/आषाढ़ ११, १९०१
No. 271] NEW DELHI, MONDAY, JULY 2, 1979/ASADHA 11, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या द्वी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

उद्योग मंत्रालय
(ऑक्यूरिंग विकास विभाग)

आवेदा

नई दिल्ली, २ जुलाई, १९७९

का. आ. ३८१ (अ)/१८एक यी/आईडीआर/७९.—फैलद्वारा सरकार ने उद्योग (विकास और
प्रिनियमन) अधिनियम, १९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८खण्ड की उपधारा (१)
के छान्ड (ख) द्वारा प्रकल्प शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग
मंत्रालय (ऑक्यूरिंग विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. ६१९(अ)/१८एकबी/आई-
डीआर/७७, तारीख ४ जुलाई, १९७७ द्वारा घोषित किया था कि उक्त आदेश के जारी
होने की तारीख से ठीक एवं प्रवृत्त सभी या किन्हीं संविदाओं, संपीड़ित के हस्तान्तरण
पत्रों, करारों, व्यवस्था-पत्रों, पंचाटों, स्थायी आदेशों पर या अन्य लिखतों
(जैक आफ इंडिया नक्का और उधार लेखा के दायित्वों से भिन्न और जिस विस्तार सक
वालू आदित्यों के अंतर्गत आते हैं) का प्रवर्तन, जिनका मैसर्स वेस्टर्न इंडिया सिपरिंग
एंड मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई एक पक्षकार है या जो उक्त ऑक्यूरिंग
उपकरण या कम्पनी को लागू हैं, उस तारीख से एक धर्ष की अवैध के लिए निलंबित

रहेगा तथा उक्त सारीख सं पूर्व उनके अधीन प्रोद्धृत और उद्भूत होने वाले सभी अधिकार विशेषाधिकार, बाधताएं और दायित्व उक्त अवधि तक के लिए निलंबित रहेंगे;

और उक्त आदेश की अवधि 3 जुलाई, 1979 तक जिसके अंतर्गत यह सारीख भी है बढ़ा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान ही गया है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष की ओर अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 अख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) इसारा प्रबुत्त शवितराओं का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 3 जुलाई 1980 तक, जिसके अंतर्गत यह सारीख भी है, बढ़ाती है।

[फा. संख्या 3(18)/75-सी.ए.सी.]

आर. एन. चौपड़ा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd July, 1979

S.O. 381(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 519(E)/18FB/IDRA/77, dated the 4th July, 1977 (hereinafter referred to as the said Order, the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that the operations of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than the liabilities to the Bank of India cash and credit account and to the extent that these are covered in the current assets) to which the industrial undertaking known as Messrs Western India Spinning and Manufacturing Company Limited, Bombay is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking, shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 3rd July, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said order upto and inclusive of 3rd July, 1980.

[F. No. 3(18)/75-CUS]
R. N. CHOPRA, Joint Secy.